गीता रामायण हम गायेगे

गीता रामायण हम गायेगे,
तभी हम श्रेष्ठ जीवन बनायेगे ,
आदर्श मर्यादित जीवन पायेगे,
ओर संस्कारित जीवन अपनायेगे,
गीता रामायण.......

रामायण हे मेरे राम की वाणी,
गीता हे मेरे कृष्ण की जुबानी,
इनके पथ पर चल कर हम,
निज जीवन सफल बनायेगे,
गीता रामायण.......

गीता रामायण वेदो की वाणी,
गीता रामायण पुराणो की वाणी,
इनके विचारो को अपना कर हम,
हम भी विचारवान बन जायेगे,
गीता रामायण.......

गाँधी तिलक के प्रेरणा ग्रंथ हे,
इनमे छिपा नीति जीवन धर्म हे,
इनके आदर्शो को अपना कर हम,
हम भी आदर्शवान बन जायेगे,

गीता रामायण.......

गीता रामायण मेरे देश का साहित्य,
गीता रामायण हे विश्व का साहित्य ,
इनके बंधुत्व पर चल कर हम,
विश्व बंधुत्व की भावना बनायेगे,
गीता रामायण.......

गीता रामायण रत्नो का सागर,
आओ गोता लगाये इसे पढ पढ कर,
चन्द्र सागर मे गहरे जाकर हम,
नित्य नये नये मोती पायेगे ,
गीता रामायण.......

गीत रचना - रामचन्द्र शर्मा
कुरावर मण्डी, जिला - राजगढ (म.प्र.)

Source:
https://www.bharattemples.com/geeta-ramayan-ham-gayege-tabhi-hum-saresth-jeewan-banayege/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw